

हेपेटाइटिस अभियान के तहत राजस्थान को मिला राष्ट्रीय सम्मान

चर्चा में क्यों?

28 जुलाई, 2022 को हेपेटाइटिस अभियान के तहत सघन स्क्रीनिंग एवं व्यापक जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित करने के लिये राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा-पत्र प्रदान किया गया।

प्रमुख बटु

- इसी प्रकार हेल्दी लीवर कैंपेन के अंतर्गत प्रदेशभर में बेहतरीन कार्य करने वाले चिकित्सकों, जेल अधीक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं ज़िला आईईसी समन्वयकों इत्यादि को सम्मानित किया गया।
- इस अवसर पर राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि राजस्थान का यूनियर्सल हेल्थ केयर मॉडल गरीब-से-गरीब आदमी को भी पूर्णतः निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज सुनिश्चित करवाता है।
- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य को नरिगी बनाने के अभियान के शुरुआत 'मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना' से की थी। वर्तमान में 'चरिजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना', 'मुख्यमंत्री निःशुल्क नरिगी राजस्थान योजना' के माध्यम से प्रदेशवासियों को निःशुल्क जाँच, दवा एवं उपचार की सुविधा मिल रही है।
- अनियमित खानपान और शुद्ध पानी का उपयोग नहीं करने से हेपेटाइटिस जैसी जानलेवा बीमारी होती है। हम सभी को शराब, सगिरेट, तंबाकू इत्यादि के सेवन से बचना चाहिये और स्वस्थ जीवन-शैली अपनानी चाहिये।
- जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री महेश जोशी ने कहा कि हेल्दी लीवर कैंपेन के अंतर्गत जनसहभागिता से प्रदेश में 64 हजार 733 पेयजल स्रोतों का क्लोरिनेशन करवाया गया है और नियमित अंतराल में जल शुद्धिकरण की गतिविधियाँ विभाग द्वारा संचालित की जा रही हैं।
- जल जीवन मशिन के अंतर्गत राज्य में 33 ज़िलों में ग्राम जल स्वच्छता समिति के माध्यम से भी पेयजल की जाँच का कार्य करवाया जा रहा है। राज्य की 11 हजार 325 ग्राम पंचायतों में से 6 हजार 938 ग्राम पंचायतों में पेयजल जाँच हेतु प्रशिक्षण का कार्य पूरा हो चुका है।
- उन्होंने कहा कि विभिन्न जल स्रोतों से प्राप्त जल का शुद्धिकरण कर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने से हेपेटाइटिस ए एवं ई की रोकथाम सुनिश्चित होगी तथा संक्रमित रोगियों की संख्या में कमी आएगी।
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं एनएचएम मशिन निदेशक रोली सहि ने कहा कि 'तंबाकू नयित्रण अभियान' की तरह ही राजस्थान में 'नेशनल वायरल हेपेटाइटिस नयित्रण कार्यक्रम' के तहत 'हेल्दी लीवर कैंपेन' का सफल संचालन कर आमजन में इसके बारे में जागरूकता वकिसति की गई है।